यूपीईएस ने आयोजित किया 38वां नेशनल सिंपोज़ियम ऑन प्लाज़्मा

देहरादून, 15 दिसम्बर (स.ह.): देहरादून स्थित मल्टीडिसप्लनेरी यूनिवर्सिटी यूपीईएस हाल ही में प्लाज़्मा साइंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीएसएसआई) के साथ मिलकर 38वें नेशनल सिंपोज़ियम ऑन प्लाज़्मा साइंस एंड टैक्नोलॉजी, प्लाज़्मा-2023 का आयोजन किया।

यह चार-दिवसीय कार्यक्रम ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करने का मंच दिया जहां वैज्ञानिक, टैक्नोलॉजिस्ट, अकादमिक क्षेत्र के लोग और शोधार्थी एकत्रित हुए, ताकि वे प्लाज़्मा साइंस और टैक्नोलॉजी के बारे में विचारों का आदान-प्रदान कर सकें।

इस कार्यक्रम में देश भर से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें शोधार्थी, अकादमिक क्षेत्र के लोग और वैज्ञानिक शामिल थे। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत शशांक चतुर्वेदी,

डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज़्मा रिसर्च और कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन के ऑनलाइन संबोधन के साथ हुई। भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज़्मा रिसर्च, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और यूनिवर्सटी ऑफ कैलिफोर्निया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के कई जाने-माने वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इनमें फंडामेंटल प्लाज़्मा, हाई-टेंपरेचर प्लाज़्मा, स्टिम्यूलेटेड प्लाज़्मा, प्लाज़्मा के इस्तेमाल जैसे विषय शामिल रहे।

कॉन्फ्रेंस की खास बात प्रोफेसर शिशिर देशपांडे, सीनियर प्रोफेसर, आईपीआर और पूर्व डायरेक्टर, इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर द्वारा साइंस, टैक्नोलॉजी एवं कारोबार के अवसर); विषय पर दिया गया संबोधन था। इसके अलावा, डॉ. राम शर्मा, वाइस चांसलर, यूपीईएस विश्वविद्यालय ने शोध के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया और शोध को पढाई के पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया।

प्लाज़्मा साइंस और टैक्नोलॉजी क्षेत्र के शोधार्थियों के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करते हुए यह कार्यक्रम जबरदस्त जानकारी देने वाले प्रेजेंटेशन और प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह का अनोखा मिश्रण भी साबित हुआ।

जेएनयू, दिल्ली के श्री पल्लव बोरो और राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टैक्नोलॉजी, इंदौर के श्री तीर्थ मंडल को उनके बेहतरीन योगदान के लिए बुटी यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड (बीवाईएसए) के साथ 10,000 रुपये के नकद पुरस्कार जैसे पुरस्कार भी वितरित किए गए। इसके अलावा, डॉ. अमरीन आरा हुसैन, साइंटिफिक ऑफिसर-डी, इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज़्मा रिसर्च, गांधीनगर को 50,000 रुपये के नकद पुरस्कार के साथ प्रतिष्ठित परवेज़ गुज़दार अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।